विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 70 | माह - अक्टूबर, 2024, मूल्य : नि:शुल्क

शुभ दीपावली मनायें, गाय के गोबर से बने दिये जलायें

- आग न पकड़ने वाले दिये।
- 1500 से अधिक महिलाओं के आजीविका का साधन।
- प्लास्टिक से बनी वस्तुओं की जगह गोमय घड़ी, ट्रॉफी, पेपर वेट, श्रीयंत्र, माला का उपयोग करें
- दियों के उपयोग के बाद गमलों में खाद का कार्य करते हैं।

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ संधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना संधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रही दो बहनों की कहानी

हमें डांट दिया जाता कि यह सब क्या कर रहे हो तो शायद हम यह बिजनेस छोड़ देते : पलक जैन

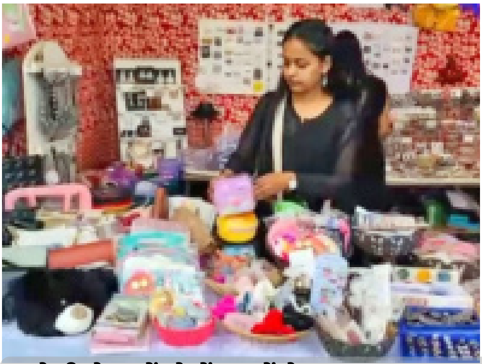

स्वदेशी मेला में दोनों बहनों ने स्टाल लगाया था।

आज के समय जब युवा घंटों सोशल मीडिया पर व्यतीत कर देते हैं उसी सोशल मीडिया से पलक एवं महक जैन ने अपने व्यवसाय की पहचान बनाई। उन्होंने बंजारन एवं हेण्डी-मेण्डी इंस्टाग्राम पेज से ज्वेलरी के व्यवसाय की शुरूआत की थी। आज हम इन दोनों बहनों की कहानी आप सभी के साथ साझा करने जा रहे हैं।

महक जैन और पलक जैन दोनों बहनें मकरोनिया सागर की रहने वाली हैं। पलक ने प्रेस्टीज कॉलेज, इंदौर से एमबीए किया है। महक ने प्रेस्टीज कॉलेज से बीकॉम ऑनर्स किया है और अब डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर से एमबीए कर रही है । पारिवारिक व्यवसाय मंगलम चाय सागर के साथ देशभर में मशहूर है।

कोविड के दौरान हुई थी बंजारन की शुरूआत - महक बताती है कि हमारे व्यवसाय की शुरुआत कोविड काल के दौरान हुई थी। वे कहती है कि मैं फैशन डिजाइनिंग को लेकर काफी उत्साहित थी लेकिन कोरोना काल में वह कोर्स नहीं कर पाए तो उन्होंने घर में वेस्ट कपड़ों से स्क्रंची बनाना शुरू किया और उसे लोगों ने बहुत पसंद किया। देहरादून, दिल्ली आदि बाहर के शहरों से आर्डर आने लगे। कोविड के दौरान पढ़ाई का इतना प्रेशर नहीं था। सभी क्लासेस ऑनलाइन रहती थीं। मैं और मेरी दोनों बहनें ऑनलाइन क्लास लेते थे और क्लास खत्म हो जाने के बाद हम अपने काम पर लग जाते थे। हमारी कोई शुरुआत में ऐसी तैयारी नहीं थी कि हमें यह व्यवसाय करना है। लगभग 1 घंटे में हम तीन बहनों ने यह तैयारी की और तीनों ने एक -एक 1000 रूपये मिलाकर बंजारन ज्वेलरी ऑनलाइन ऑर्डर की। उस समय लोग काफी टाइम इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहते थे। बंजारन नाम बंजारों से प्रेरणा लेकर रखा हुआ है। यह नाम बंजारों की आभूषणों को प्रति-बिंबित करता है।

शुरुवाती समय में बहुत कठिनाई का किया सामना - हमने ऑनलाइन सिल्वर ज्वेलरी मंगा ली थी। उस समय ऑनलाइन सामान मंगवाना काफी कठिन था। ऐसे किसी पर भी विश्वास नहीं कर सकते थे। हमने पहला पार्सल ₹3000 का मंगवाया था। जब पार्सल नहीं आया तो हम उसे हर दिन ट्रैक करते थे और कॉल करते थे। हमने शुरुआत में केवल इयररिंग्स मंगवाई।

उस समय जो सबसे बड़ी समस्या डिलीवरी को लेकर थी। कोरियर में एक्स्ट्रा पैसे लगते थे। एक जो बड़ी समस्या हमारे सामने आ रही थी। वह यह थी कि हम बहुत मेहनत से अपने प्रोडक्ट को पैक करते और अपने ग्राहक को भेज देते पर वह कोरियर में जाकर टूट जाते। वापिस आने पर तो हम काफी निराश भी हो जाते। हम लगातार काम करते रहे।

परिवार की मदद बहुत मिली - पारिवारिक रूप से हमें बहुत मदद मिली, सभी ने बहुत हौसला बढ़ाया। हमारे लिए ऐसे कई एरिया होते जहां पापा के माध्यम से आर्डर पहुंच जाते, नेटवर्क का बहुत स्पोर्ट मिला। पलक कहती है परिवार का भी सपोर्ट बहुत मायने रखता है। जब हम काम कर रहे थे अगर हमें डांट दिया जाता कि यह सब क्या कर रहे हो तो शायद हम यह बिजनेस छोड़ देते, परन्तु परिवार से बहुत सपोर्ट मिला और जो कमियां हुई उन्हें सुधारा। परिवार की मदद से ही हम अपना व्यवसाय खड़ा कर पाए।

सोशल मिडिया ने व्यवसाय को पहचान दिलाई - बंजारन एवं हेण्डी-मेण्डी नाम से इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाया। हमने अपने प्रोडक्ट को लांच किया। शुरुआत की इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने वीडियो पोस्ट किया और तो हमारे ब्रांड ने एक पहचान बनाई। हमारे पास काफी ऑर्डर आए। हमारे पास जो स्टॉक था वह बहुत जल्दी खत्म हो गया। हमने दामों को लेकर रीजनेबल प्राइज रखी ताकि लोग खरीद सकें।

स्वदेशी मेले में आपका क्या अनुभव रहा - स्वदेशी मेले की जानकारी हमें ऑनलाइन टेंपलेट्स के माध्यम से मिली थी। पलक कहती हैं कि समिति की सचिव आकांक्षा मलैया और मैं क्लासमेट रह चुके हैं उनके पेज से भी यह जानकारी मिली। हम इन्वेस्टमेंट को लेकर तो तय था कि हम हमारी लागत पूंजी निकाल लेंगे। पीली कोठी का काफी बड़ा ग्राउंड था। बीच शहर में होने के कारण लोग अच्छे से जुड़ेंगे। काफी अच्छा प्रचार हुआ था। हमारे एरिया में हर दिन एडवरटाइजमेंट की जा रही थी। स्टॉल के अरेंजमेंट को लेकर बहुत मदद मिली। मेले की टीम से बहुत सपोर्ट किया। मेले में स्टॉल लगाने के बाद ग्राहकों से अच्छे संबंध बने उस समय वह हमसे पूछते भी थे कि मेले के बाद आपकी ज्वेलरी कहा मिल सकेंगी। हमारा इंतजार अगले मेले को लेकर है हम फिर से अपना स्टॉल लगाएंगे।

युवाओं के लिए आपके क्या विचार है - महक कहती है आज सभी को इच्छा शक्ति अपनी बहुत ही मजबूत रखनी होगी। अपने आप में आत्मविश्वास रखें आज के समय में युवा बहुत ही सोशल मीडिया की रील्स देखने में समय बिता देते हैं, उसके स्थान पर आप किताबें पढ़ें, अनुभवी व्यक्तियों से मिलें, खुद को मोटिवेट रखें, अपने हुनर को पहचाने उसके साथ ही हमें क्या करना चाहिए इस पर विचार करें।

वे कहतीं हैं कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं होता। मैंने भी बहुत छोटे रूप से काम शुरू किया था। अभी भी छोटा है पर हम अपने बिजनेस को लेकर काफी खुश है। मेरी मम्मी हमेशा कहती है कि तुम बस शुरुआत करो ईश्वर तुम्हे कुछ ना कुछ तो जरूर देगा। तुम अपनी कमियों को दूर करो और अपने दिल की सुनो। अपने काम को लेकर कई बार फेल सकते हो लेकिन कहीं ना कहीं तो आप जरूर पहुंचेगे। आपको अनुभव मिलेगा और सफल भी होंगे।

युवा सरकारी नौकरी अथवा बड़ी कंपनी की नौकरी को ही रोजगार मानता है : कपिल मलैया

स्वावलंबी भारत अभियान ने उद्यमिता पखवाड़ा की शुरुवात की

सरस्वती शिशु मंदिर मोतीनगर स्कूल में उद्यमिता पखवाड़ा मनाया गया।

नए उद्यमियों को उनके व्यवसाय की शुरुआत करने में मदद और उन्हें सफल बनाने के लिए स्वावलंबी भारत अभियान ने उद्यमिता पखवाड़ा की शुरुआत की। कार्यक्रम में स्वावलंबी भारत अभियान प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कई बार समस्या को देखने का दृष्टिकोण ही वास्तव में बड़ी समस्या होता है। यही बात भारत की बेरोजगारी के संदर्भ में भी है। सबसे पहले तो यही कि रोजगार की परिभाषा हमारे यहां गलत है। सामान्य व्यक्ति, युवा सरकारी नौकरी अथवा बड़ी कंपनी की नौकरी को ही रोजगार मानता है और वह संभव हो तो घर के निकट ही। यह मानसिकता उसको सबसे पहले बेरोजगार बनाने का काम करती है। इस मानसिकता को हमें बदलना है और उद्यमिता की राह अपनानी है।

जिला सह समन्वयक करण श्रीवास्तव ने छात्र, छात्राओं को स्वावलंबी भारत अभियान के उद्देश्यों को बताया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई करते समय अध्यनरत छात्र, छात्राएं कैसे स्वरोजगार स्थापित कर सकते है एवं हम नौकरी लेने वाले न बनकर देने वाले बन सकते हैं।

सतना विभाग के पूर्णकालिक कार्यकर्ता मनोहर जी ने कार्यशाला में विकेंद्रीकरण, स्वदेशी उद्यमिता और सहकारिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला संयोजिका अंजली दुबे ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में युवा उद्यमी विवेक गुप्ता ने विचार रखे। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के उद्देश्य प्रतिबिंबित करती “37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश” पुस्तक का विमोचन हुआ। वेलोसिटी कोचिंग संस्थान परिवार के सदस्य गण एवं छात्र, छात्रायें उपस्थित रहे। गढ़ाकोटा में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय साबूलाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सी. एम. राइज प्राचार्य पूरनलाल सोनी, शिक्षक दयाराम की अध्यक्षता में उद्यमिता पखवाड़ा कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत राम साहू के मुख्य आतिथ्य में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। स्वावलंबी भारत अभियान जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र ठाकुर ने कहा कि उद्यमिता पखवाड़ा का उद्देश्य कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित होता है। सफल उद्यमियों के अनुभवों को साझा करके नए उद्यमियों को प्रेरित करना, उद्यमिता के महत्व और लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना हैं।

हथकरघा उद्योग से जुडी महिलाएं शासकीय आवंटन मिलने से निंरतर कर सकेगी कार्य

हथकरघा विकास निगम से रुपेश एवं शिवचरण नौदिया ने हथकरघा परिसर का निरीक्षण किया।

विचार समिति से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार मुहैया करवाने में शासकीय भागीदारी मिलने से यह महिलाएं निरंतर आय कर सकेगी। संत रविदास, मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम से रुपेश जी एवं हथकरघा जिला विभाग सागर से शिवचरण नौदिया ने हथकरघा परिसर का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता जैन ने बताया कि समिति से जुड़ी महिलाओं को बुनकर प्रशिक्षण निरंतर जारी है। समिति ने संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम के सहयोग से शासकीय हथकरघा आवंटन प्राप्त हुआ है। इस आवंटन से समिति के हथकरघा केंद्र से जुड़ीं महिलाओं को निरंतर रोजगार प्राप्त होगा। हथकरघा उद्योग राष्ट्र की गौरवशाली धरोहर है। इस उद्योग का संरक्षण करना और बुनकर मजदूरों की मदद करना अब आवश्यक हो गया है, नहीं तो यह खूबसूरत कला विलुप्त हो जाएगी। बुनकरों को सरकारी सहायता और प्रोत्साहन नहीं मिलने से दूसरे व्यवसाय की तरफ अपना रूख कर लिया हैं। हाथ से बुने हुए वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ ही हथकरघा उद्योग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

हथकरघा प्रभारी भाग्यश्री राय ने बताया कि 25 - 30 बुनकर निरंतर कार्य कर रहे है। हथकरघा से धोती-पंचा, शर्ट, पेंट, कुर्ता, चादर, बेडशीट आदि वस्त्रो का निर्माण किया जा रहा है। यह वस्त्र पूर्ण रूप से सूती के होते है। किसी भी प्रकार का पोलिस्टर, टेरीकॉट आदि की मिलावट नहीं होती है। यह वस्त्र पहनने में स्वास्थ्य वर्धक होते हैं। हम सभी को यह वस्त्र उपयोग करने चाहिए।

वर्चुअल बैठक में क्वेस्ट एलायंस की कार्तिका ने स्वरोजगार स्थापित करने वाली महिलाओं से अग्रिम व्यवसाय पर की बातचीत

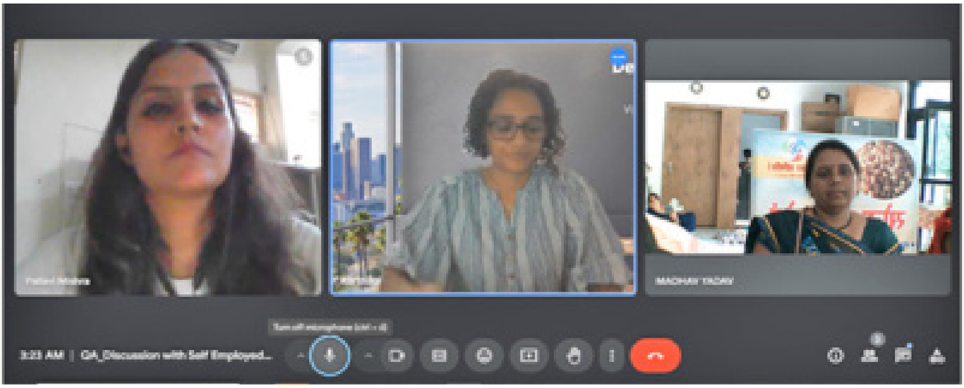

क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के सयुंक्त तत्वावधान में विगत वर्ष सात महिलाओं ने पंद्रह हजार की राशि की मदद से स्वरोजगार स्थापित किया था। एक वर्ष के दौरान उन सभी महिलाओं ने व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता पाई है। यह महिलाएं और अन्य महिलाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। इन सभी महिलाओं की कहानी जानने के लिए विचार समिति कार्यालय में वर्चुअल माध्यम से बैठक हुई जिसमें क्वेस्ट एलायंस कार्तिका, कार्यक्रम सहयोगी पल्लवी मिश्रा एवं रोशनी सोनी ने महिलाओं से बातचीत की। क्वेस्ट एलायंस कार्तिक ने महिलाओं से उनके जीवन के अनुभव जाने और उन्होंने कहा निश्चित तौर पर आप सभी ने बड़ी हिम्मत दिखाई है। इसी तरह से और आगे बढ़े हम आपके साथ हैं।

प्रभा साहू ने ब्यूटी पार्लर खोलकार अपने उद्यम की शुरुआत की थी। आज वह काफी सफल है। इसके साथ वह अन्य लड़कियों को ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दे रही हैं। जिससे वह आगे बढ़ सके। प्रभा कहती है कि खुद से जीने में जो आत्मविश्वास आता है वह बिलकुल अलग है। आज मेरे घर के हालत पूरी तरह बादल चुके है।

अनीता चौधरी ने अपने अनुभव को साँझा किया वे कहती है आज मैं पूरी हिम्मत के साथ अपने कार्य करती हूं। समाज में महिलाओं के प्रति अभी वह सकारात्मक नजरियां नहीं हैं पर हमें यह स्वयं स्थापित करना होगा।

ममता अहिरवार ने साड़ी की दुकान का अनुभव सभी के साथ साझा किया। रामकली पटेल ने अपनी व्यवसाय से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग के कारण नई मशीन लगाई, उसकी मदद से नया काम और मिल रहा है। प्रशिक्षण के दौरान हमें जो बताया गया था उसकी मदद से बेहतर कर पाते है। इस बैठक में विचार समिति सदस्य पूजा प्रजापति, राहुल अहिरवार, माधव यादव ने विचार समिति द्वारा संचालित परियोजनाओं की जानकारी दी एवं क्वेस्ट एलायंस के द्वारा सहयोगी रूप से कार्य करने आभार किया।

मुंबई में आयोजित आत्मा फाउंडेशन द्वारा उत्सव कार्यक्रम में विचार समिति ने की सहभगिता

आत्मा फाउंडेशन सीईओ नेहा अरोरा ने विचार समिति के माधव यादव को लर्नर सर्टिफिकेट भेंट किया।

आत्मा फाउंडेशन द्वारा उत्सव 2024 का आयोजन 27 सितम्बर 2024 को साई पैलेस होटल मुंबई में मनाया गया। इस आयोजन में कॉमन मिनीमम प्रोग्राम में सहभागिता कर रही सभी संस्थाओं ने हिस्सा लिया। आत्मा फाउंडेशन गैर लाभकारी संगठनों के लिए वित्तीय नियोजन और प्रबंधन प्रणाली, प्रभावी अनुदान संचयन, कार्यक्रम रचना और वितरण, डिजीटल क्षमताओं, प्रतिभाशाली व्यक्तित्व को बढ़ावा एवं प्रबंधन क्षमताओं में वृद्धि को सहयोग देता है। कार्यक्रम की शुरुवात आत्मा फाउंडेशन कार्यक्रम आयोजक अभिषेक ने की। आत्मा फाउंडेशन सीईओ नेहा अरोरा ने स्वागत भाषण दिया। ए. टी. ई. चंद्र फाउंडेशन सीईओ गायत्री नायर लाबो ने कीनोट स्पीच में भारत में रोज़गार के विभिन्न संसाधनों पर चर्चा की साथ ही उन्होंने कहा कि अगर सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहें तो आप यह ख्याल निकल दीजिये कि लोग क्या कहेंगे। इसके पश्चात सभी संस्थाओं के प्रतिनिधिओं के प्रमाणपत्र वितरित किये गए। प्रथम पैनल सत्र में लचीलेपन का महत्व (रूट्स ऑफ़ रेसिलिएंस) आधारित था। पैनल चर्चा में विप्रो फाउंडेशन प्रोग्राम मैनेजर सुप्रिया मेनन, समाधान फाउंडेशन से जितेंद्र कुमार खजानी, वेलफेयर सोसाइटी क्षिप्रा राठी, हर हाथ कलम से हर्ष कोठारी ने जमीनी स्तर की चुनौतिओं पर चर्चा की जो इस प्रकार हैं।

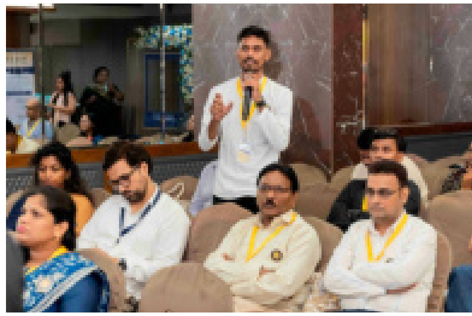

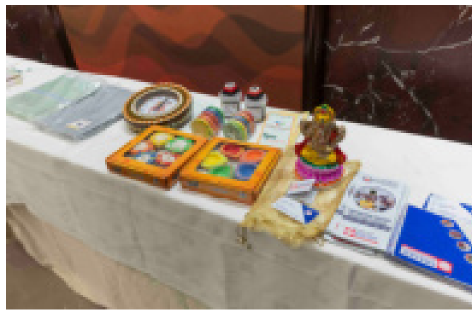

मुंबई में आत्मा फाउंडेशन के उत्सव कार्यक्रम में विचार समिति ने गोमय उत्पादों के बारे में सभी एनजीओ के सदस्यों को जानकारी दी एवं सहयोग देने की अपील की।

- संगठन क्षमताओं पर निरंतर काम करना एवं सहयोगी संस्थाओं से संबंध रखना।
- संस्थान के लक्ष्यों के प्रति निरंतर कार्य करना।
- संस्थान की पहचान को निरंतर बनाएं रखना है।
- नेतृत्व की दूसरी पंक्ति तैयार करना।
- कुशल सहयोगी टीम तैयार करना आदि।

दूसरे सत्र की चर्चा में संगठन में क्षमता निर्माण के महत्व से सम्बंधित रहा। पैनल चर्चा में वर्टीकल हेड एटीई चंद्र फाउंडेशन से पूनम चौकसे, ऑपरेशन मैनेजर फोर्बेस फाउंडेशन से निहारिका नौटियाल, उपक्रम एजुकेशनल फाउंडेशन से निखिल वैल्यू एजुकेशन ट्रस्ट से अन्ने सामुएल ने चर्चा की। **चर्चा के मुख्य बिंदु :**

- प्रोग्राम बनाना
- सीमितता तय करना
- प्रोग्राम धन की आवश्यकताओं।
- अन्य नीतियों पर कार्य करना।

विचार समिति से प्रतिनिधि बतौर माधव यादव ने विचार समिति द्वारा चलायी जा रही परियोजनाओं की जानकारी दी, कॉमन मिनीमम प्रोग्राम के दौरान किये कार्यों, अनुभवों को सभी के साथ साँझा किया। गोबर से बने दिए, माला, घडी, सोनामोती गेंहू एवं हथकरघा से बनी टाबिल भेंट की। बैठक में आये देश के सभी राज्यों के सभी सदस्यों ने उत्पादों को बहुत पसंद किया।

विचार समिति ने तुलसीनगर वार्ड में नि: शुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन किया

ब्लड ग्रुप जांच शिविर में 104 से अधिक लोगों को लाभ मिला।

विचार समिति द्वारा नि:शुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन तुलसी नगर वार्ड में किया गया। इस शिविर में 104 से अधिक महिला एवं पुरुषों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर का उदेश्य बताते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हम हर माह स्वास्थ्य से जुड़े शिविरों का आयोजन करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ा जाए उन्हें स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों की जांच के माध्यम जानकारी मिले।

भाग्योदय तीर्थ से डॉक्टर ऋषभ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में सभी व्यक्तियों के ब्लड ग्रुप की जांच की गई। रक्तदाताओं को प्रेरित किया गया। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती है बल्कि लाभ ही होता है, ब्लड के नए सेल्स बनते हैं। आज रक्त की लगातार अस्पतालों में कमी बनी रहती है। जिसके कारण मृत्यु तक हो जाती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए, यह एक परोपकारी काम हैं।

तुलसी नगर मोहल्ला विकास योजना टीम समन्वयक ममता अहिरवार ने कहा कि शिविर से संबंधित सभी जानकारी महिलाओं को एक दिन पूर्व ही दे दी गई थी। सभी ने बढ़-चढ़ इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में पूजा प्रजापति ने रजिस्ट्रेशन किया, जांच सहायक रविकांत जैन, के.के. मिश्रा, चंदन पटेल ने सहजता के साथ जांच की। शिविर में सुशील रानी अहिरवार, रचना अहिरवार, राजरानी अहिरवार, तुलसा बाई अहिरवार, प्रशांत सूर्यवंशी, जितेंद्र अहिरवार, प्रेम रानी अहिरवार, तीर्थ अहिरवार, विक्रांति अहिरवार, भूमिका, नरेंद्र, सरोज, कस्तूरी बाई, टीकाराम, सिद्धिका, अंशुल, यथार्थ, वीणा, मोतीबाई, कविता, रिंकी, जितेंद्र, प्रेम रानी, बबीता, दीक्षा, वैशाली, रानी आदि सभी ने ब्लड ग्रुप जांच करवाई।

साजं वेलफेयर सोसाइटी भोपाल के पदाधिकारी ने गोबर से बनने वाले उत्पादों का प्रशिक्षण लिया

विचार समिति कार्यालय में गोमय उत्पाद का प्रशिक्षण देती हुई पूजा प्रजापति।

विचार समिति द्वारा संचालित गोमय परियोजना के अंतर्गत साजं वेलफेयर सोसाइटी भोपाल के पदाधिकारी ने गोबर से बनने वाले उत्पादों का एक दिवसीय प्रशिक्षण लिया। वेलफेयर सोसाइटी अध्यक्ष रुचिता जैन ने कहा कि हमें गोबर से बनने वाले उत्पादों की जानकारी मिली और हमें जिज्ञासा हुई। यह उत्पाद कैसे बनते हैं, क्या-क्या बनते हैं। यह जानने के लिए विचार समिति कार्यालय आए। हमें यहां आकर बहुत अच्छा लगा और बड़ी सकारात्मक और सरलता पूर्वक गोबर से बनने वाले दियों को बनाना सीखा। यहां बने हथकरघा के सभी उत्पाद हमारे लिए अच्छे लगे। वर्तमान में महिला सशक्तिकरण और आर्थिक रूप से महिलाओं को समृद्ध करने के लिए यह उत्पाद एकदम कारगर उपाय हैं। हमारा यहां आना सफल रहा और आगे हम इसी तरह जुड़े रहेंगे।

विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि समिति ने गोबर से बनने वाले उत्पादों को बनाने में दक्षता हासिल कर ली है। गोबर से उत्पाद बनाने वाली संस्थाओं हम सीख भी रहे है और सिखा भी रहे है। हम सभी को मिलकर इन उत्पादों की विक्री की जागरूकता पर भी कार्य करना होगा। सभी लोग इन उत्पादों का महत्व समझें और इन्हें आगे बढ़ाये। तभी यह कार्य संभव हो सकेगा। उपाध्यक्ष नितिन राज ने इन उत्पादों के बारे में कहा यह एकदम अलग है। कोई अलग से संसाधन जुटाने की आवश्यकता नहीं है। बस स्थानीय चीजों से इनका निर्माण हो जाता है। सचिव अरुण कुमार जैन, हेमा तिवारी पूजा श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रशिक्षक विचार समिति सदस्य पूजा प्रजापति, ज्योति रैकवार, उमा पटेल सभी के लिए उत्पादों का प्रशिक्षण दिया।

आत्मविश्वास का भाव और स्वावलंबन का भाव ही आदमी को मजबूत बनाता है : सतीश कुमार

37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश पुस्तक का विमोचन किया गया।

स्वदेशी जागरण मंच के अंतर्गत स्वावलंबी भारत अभियान की एक दिवसीय बैठक एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान, तिलकगंज में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सह संगठक सतीश कुमार, महिला उद्यमी अंशु सागर, युवा उद्यमी जासिका सोनी ने अपने विचार रखें। बैठक का उद्देश्य महिला उद्यमी को प्रोत्साहन एवं मेरा परिवार स्वदेशी परिवार के अंर्तगत की गई। बैठक में स्वरोजगार को स्थापित करने वाली महिलाओं को घड़ी एवं गोमय माला से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सह संगठक सतीश कुमार ने कहा कि आत्मविश्वास का भाव, स्वावलंबन का भाव ही आदमी को मजबूत बनाता है। उन्होंने स्वदेशी अपनाने के पांच संकल्प सभी को दिलाये -

- सुबह उठकर टूथपेस्ट स्वदेशी ही करेंगे।
- विदेशी साबुन का उपयोग नहीं करेंगे।
- कोल्ड ड्रिंक में कोका-कोला पेप्सी आदि का बहिष्कार करेंगे।
- चीनी सामानों को नहीं खरीदेंगे।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वदेशी तरीके से करेंगे।

प्रांत सहसंगठक कपिल मलैया ने इस अवसर पर सागर जिला के प्रमुख दायित्वों पदाधिकारियों की घोषणा की। जिला महिला कार्य प्रमुख निधि जैन खाद, नगर महिला कार्य प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच रश्मि रितु जैन, नगर महिला कार्य प्रमुख स्वावलंबी भारत अभियान दीप्ती चंदेरिया, सह नगर महिला कार्य प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच श्रीमति मीना प्रधान, शहर नगर महिला कार्य प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच श्रीमति विनीता केशरवानी, सह नगर कार्य प्रमुख स्वावलंबी भारत अभियान पूनम मेवाती। उन्होंने कहा हमारे सामने हमारे ही बीच के के लोगों को देखकर कहा जा सकता है कि भारत में सूर्योदय हो रहा है और भारत फिर से उसी उद्यमिता के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा हैं। रश्मि रितु जैन इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वदेशी की अलख हर घर में जगानी चाहिए। हमें अपनी दैनिक दिनचर्या में स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करना चाहिए।

स्वरोजगार स्थापित करने वाली महिलाओं का हुआ सम्मान

रजनी पटैल

दीप्ती कुशवाहा

नीतू पटैल

अनीता चौधरी

रामकली पटैल

ममता अहिरवार

संध्या राय

रचना पटैल

आज से मैं और मेरा परिवार स्वदेशी वस्तुएं ही अपनाएंगे। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। श्रीमति दीप्ती चंदेरिया ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर प्रीति मलैया, राजकुमार नामदेव, विनय मलैया, करण श्रीवास्तव, अखिलेश समैया, प्रजातंत्र गंगेले, सौरभ रांधेलिया, शिवम दुबे, रमन वीर, नरेन्द्र साहू, दीपक मिश्रा, नितिन सोनी, मनोहर पथरोल, प्रताप पटैल, मयंक तिवारी, नितिन पटैरिया, ऊषा केशरवानी, रजनी जैन, नीता दिवाकर, सरिता गुरु, प्रियंका साहू, श्वेता नेमा, क्रांति जैन, अनीता अहिरवार, ममता रैकवार, पूनम पटैल, मंजू रैकवार, नीलू सागर, संगीता प्रजापति, प्रभा साहू, अनीता चौधरी, मंमता अहिरवार, रामकली पटेल, रचना पटेल, संध्या राय, भाग्य श्री राय, ज्योति रैकवार, उमा पटेल आदि उपस्थित रहे।

एक दिवसीय मेले में विचार समिति ने गोमय उत्पादों, हथकरघा के वस्त्रों का लगाया स्टॉल

गोमय उत्पादों, हथकरघा वस्त्रों को खरीदती हुई महिलाएं।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद द्वारा तिलकगंज वार्ड में एक दिवसीय दिवाली मेले में विचार समिति ने गोमय उत्पादों, हथकरघा के वस्त्रो का स्टॉल लगाया। प्रांतीय अध्यक्ष आशा जैन ने मेले का उदेश्य बताते हुए कहा कि मेले में हुई आय को जरुरतमंदो के हितार्थ में उपयोग किया जायेगा।

इस मेले में विभिन्न प्रकार के व्यंजन, पापड़, बरी, अचार, बच्चों के कपड़े, महिलाओं के सिंगर की सामग्री, ज्वेलरी, साड़ी, कॉस्मेटिक, डेकोरेशन स्टॉल आदि थे। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने उपस्थित लोगों के लिए समिति के उत्पादों की जानकारी दी एवं उपयोगिता बताई। गोबर से निर्मित यह उत्पाद दिए, श्रीयंत्र, कटोरा दिए, धूपबत्ती, घड़ी, ट्राफी आदि इसके साथ ही हथकरघा वस्त्रो में टबिल, धोती-पंचा, साड़ी, शर्ट अन्य वस्त्र बनाए जाते हैं। यह समिति से जुड़ी जरूरतमंद महिलाओं के रोजगार का साधन है। इस अवसर पर मंजू मगन जैन, सुगंधी जैन, शकुंतला जैन, निधि जैन नूतन जैन, रश्मि जैन, एड. रश्मि रितु, ऋचा नायक, अर्चना रांधेलिया, आदि पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, उमा पटेल एवं ज्योति रैकवार ने में मेले सहभगिता दी।

मीडिया कवरेज

विचार समिति ने तुलसीनगर वार्ड में निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन किया

सागर। विचार समिति द्वारा निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन तुलसी नगर वार्ड में किया गया। इस शिविर में 104 से अधिक महिला एवं पुरुषों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य बताते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हम हर माह स्वास्थ्य से जुड़े शिविरों का आयोजन करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ा जाए उन्हें स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों की जांच के माध्यम जानकारी मिले। भाग्योदय तीर्थ से डॉक्टर ऋषभ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में सभी व्यक्तियों के ब्लड ग्रुप की जांच की गई। रक्तदाताओं को प्रेरित किया गया। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती है बल्कि लाभ ही होता है, ब्लड के नए सेल्स बनते हैं। आज रक्त की लगातार अस्पतालों में कमी बनी रहती है। जिसके कारण मृत्यु तक हो जाती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए, यह एक परोपकारी काम है। तुलसी नगर मोहल्ला विकास योजना टीम समन्वयक ममता अहिरवार ने कहा कि शिविर से संबंधित सभी जानकारी महिलाओं को एक दिन पूर्व ही दे दी गई थी। सभी ने बढ़-चढ़ इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में पूजा प्रजापति ने रजिस्ट्रेशन किया, जांच सहायक रविकांत जैन, के.के. मिश्रा, चंदन पटेल ने सहजता के साथ जांच की। शिविर में सुशील रानी अहिरवार, रचना अहिरवार, राजरानी अहिरवार, तुलसा बाई अहिरवार, प्रशांत सूर्यवंशी, जितेंद्र अहिरवार, प्रेम रानी अहिरवार, तीर्थ अहिरवार, विक्रांति अहिरवार, भूमिका, नरेंद्र, सरोज, कस्तूरी बाई, टीकाराम, सिद्धिका, अंशुल, यथार्थ, वीणा, मोतीबाई, कविता, रिंकी, जितेंद्र, प्रेम रानी, कबीता, दीक्षा, वैशाली, रानी आदि सभी ने ब्लड ग्रुप जांच करवाई।

विचार समिति ने निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन किया

अमीरचंद्री - [illegible]

सागर। विचार समिति द्वारा निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन तुलसी नगर वार्ड में किया गया। इस शिविर में 104 से अधिक महिला एवं पुरुषों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य बताते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हम हर माह स्वास्थ्य से जुड़े शिविरों का आयोजन करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ा जाए उन्हें स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों की जांच के माध्यम जानकारी मिले।

भाग्योदय तीर्थ से डॉक्टर ऋषभ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में सभी व्यक्तियों के ब्लड ग्रुप की जांच की गई। रक्तदाताओं को प्रेरित किया गया। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती है बल्कि लाभ ही होता है, ब्लड के नए सेल्स बनते हैं। आज रक्त की लगातार अस्पतालों में कमी बनी रहती है। जिसके कारण मृत्यु तक हो जाती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए, यह एक परोपकारी काम है। तुलसी नगर मोहल्ला विकास योजना टीम समन्वयक ममता अहिरवार ने कहा कि शिविर से संबंधित सभी जानकारी महिलाओं को एक दिन पूर्व ही दे दी गई थी।

विचार समिति ने तुलसीनगर वार्ड में निः शुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन किया

हमारा बुन्देलखंड

सागर। विचार समिति द्वारा निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन तुलसी नगर वार्ड में किया गया। इस शिविर में 104 से अधिक महिला एवं पुरुषों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य बताते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हम हर माह स्वास्थ्य से जुड़े शिविरों का आयोजन करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ा जाए उन्हें स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों की जांच के माध्यम जानकारी मिले।

भाग्योदय तीर्थ से डॉक्टर ऋषभ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में सभी व्यक्तियों के ब्लड ग्रुप की जांच की गई। रक्तदाताओं को प्रेरित किया गया। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती है बल्कि लाभ ही होता है, ब्लड के नए सेल्स बनते हैं। आज रक्त की लगातार अस्पतालों में कमी बनी रहती है। जिसके कारण मृत्यु तक हो जाती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए, यह एक परोपकारी काम है। तुलसी नगर मोहल्ला विकास योजना टीम समन्वयक ममता अहिरवार ने कहा कि शिविर से संबंधित सभी जानकारी महिलाओं को एक दिन पूर्व ही दे दी गई थी। सभी ने बढ़-चढ़ इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में पूजा प्रजापति ने रजिस्ट्रेशन किया, जांच सहायक रविकांत जैन, के.के. मिश्रा, चंदन पटेल ने सहजता के साथ जांच की। शिविर में सुशील रानी अहिरवार, रचना अहिरवार, राजरानी अहिरवार, तुलसा बाई अहिरवार, प्रशांत सूर्यवंशी, जितेंद्र अहिरवार, प्रेम रानी अहिरवार, तीर्थ अहिरवार, विक्रांति अहिरवार, भूमिका, नरेंद्र, सरोज, कस्तूरी बाई, टीकाराम, सिद्धिका, अंशुल, यथार्थ, वीणा, मोतीबाई, कविता, रिंकी, जितेंद्र, प्रेम रानी, कबीता, दीक्षा, वैशाली, रानी आदि सभी ने ब्लड ग्रुप जांच करवाई।

विचार समिति ने निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विचार समिति द्वारा निः शुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का आयोजन तुलसी नगर वार्ड में किया गया। इस शिविर में 104 से अधिक महिला एवं पुरुषों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य बताते हुये समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हम हर माह स्वास्थ्य से जुड़े शिविरों का आयोजन करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ा जाये उन्हें स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों की जांच के माध्यम जानकारी मिले। डॉ. ऋषभ जैन ने बताया कि इस शिविर में सभी व्यक्तियों के ब्लड ग्रुप की जांच की गई। रक्तदाताओं को प्रेरित किया गया। रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती है बल्कि लाभ ही होता है, ब्लड के नये सेल्स बनते हैं। रक्त की लगातार अस्पतालों में कमी बनी रहती है। जिसके कारण मृत्यु तक हो जाती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिये, यह एक परोपकारी काम हैं। तुलसी नगर मोहल्ला विकास योजना टीम समन्वयक ममता अहिरवार ने कहा कि शिविर से संबंधित सभी जानकारी महिलाओं को एक दिन पूर्व ही दे दी गई थी। सभी ने बढ़चढ़ इस शिविर का लाभ उठाया। शिविर में पूजा प्रजापति ने रजिस्ट्रेशन किया, जांच सहायक रविकांत जैन, केके मिश्रा, चंदन पटेल ने सहजता के साथ जांच की।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
TISS Tata Institute Of Social Sciences
UPES
BHU Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE
Goodera
ConnectAID The International Solidarity Network

learning initiatives for india
meraadhikar one nation, one platform
Lyvefresh

TechPose
BENNETT UNIVERSITY TIMES OF INDIA GROUP
Academia for Sustainable Development
Policy Research Foundation PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT We Design Your Growth Story
danamojo experience the magic of giving
IIMT Group of Colleges Greater Noida-Meerut — Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University Sagar (M.P.)
THE ART OF LIVING
Rotary Club of Sagar

STEP-AHEAD Fellowship Preparation-Support
Indian Institute of Management Rohtak
Bharat Vikas Parishad Sagar (M.P.)
ISRN

Edu-Vitae Services JOIN! LEARN! ACHIEVE!
India is us! Edu Social Foundation
संजीवनी बाल आश्रम
For HER Foundation

विचार समिति

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

PhonePe

Scan & Pay with any UPI App

UPI ID : Q509009353@ybl

BHIM UPI

Vichar Samiti

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर